वशि्व की सबसे बड़ी ‘डायनासोर हैचरी’ में से एक का खुलासा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पुरातत्त्ववदिों द्वारा की गई खोज के अनुसार, **मध्य प्रदेश वशि्व की सबसे बड़ी डायनासोर हैचरी में से एक है।**

//

मुख्य बदिु:

- राज्य के कई ज़िलों में वसि्तृत **नर्मदा घाटी** में सैकड़ों डायनासोर के **अंडे और घोंसले के जीवाश्म मलि हैं,** जो कि सबसे बड़े ज्ञात डायनासोरों में से एक **शाकाहारी टाइटेनोसॉर** से संबंधति हैं।
- सबसे हालिया खोज धार ज़िले के लमेटा में की गई थी, जहाँ वभिनि्न संस्थानों के पुरातत्त्ववदिों की एक टीम ने नकिट स्थति 92 डायनासोर घोंसले और शाकाहारी टाइटेनोसॉर के 256 जीवाश्म अंडे की खोज की,**जनिमें से प्रत्येक क्लच में एक से बीस अंडे थे, जो लगभग 66 मलियिन वर्ष पहले के थे।**
    - इन डायनासोरों के अंडों का व्यास 15 सेमी. से 17 सेमी. के बीच था, **प्रत्येक घोंसले में एक से 20 तक अंडे थे** । कुछ अंडों में से बच्चे नकिलने के प्रमाण मलि, जबकि अन्य में नहीं।
- लमेटा शैल समूह **मास्ट्रचियिन युग (उत्तर क्रेटेशयिस)** की है और **गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश** में भी पाई जाती है।
    - यह **डायनासोर प्रजातयिों की ववििधता** के लयि उल्लेखनीय है, जसिमें **टाइटनोसॉर सॉरोपॉड आइससिॉरस व एबेलसिॉरस इंडोसॉरस, इंडोसुचस, लेवसिुचस और राजासॉरस शामलि हैं।**
    - लमेटा शैल समूह में **स्तनधारयिों, सांपों और अन्य जानवरों के जीवाश्म** भी शामलि हैं।
    - यह प्रागैतहिासकि शैल समूह **क्रटेशियिस काल के अंत में उनके** वलिुप्त **होने से पहले**, भारत में डायनासोर के वकिास के अंतमि चरण का प्रतनिधित्वि करती है।
- **भारतीय वज्ञिान शक्षिा और अनुसंधान संस्थान, दलि्ली** के नेतृत्व में टीम ने **वैज्ञानकि पत्रकिा PLOS ONE में** अपने नष्कर्ष प्रकाशति कयि।
    - उन्होंने नष्किर्ष नकिाला कि **नर्मदा घाटी एक डायनासोर हैचरी क्षेत्र था,** जहाँ टाइटेनोसॉर वशिेष रूप से अंडे देने के लयि आते थे।
    - उन्होंने यह भी सुझाव दयिा कि इस क्षेत्र की **जलवायु गरम और आर्द्र है**, जसिमें प्रचुर **वनस्पत तिथा जल स्रोत हैं, जो डायनासोर के अस्तत्वि के लयि उपयुक्त हैं।**
    - पछिले अध्ययनों में **जबलपुर ज़िले और गुजरात के बालासनिोर शहर** में भी इसी तरह के नष्किर्ष सामने आए।
- **धार ज़िले में पाए गए कुछ जीवाश्म अंडों को स्थानीय ग्रामीणों, जो पीढ़यिों से उन्हें पवत्रि पत्थर के रूप में पूजते आ रहे थे, को** मान्यता नहीं दी।
    - हथेली के आकार की ये वस्तुएँ, **जनिहें 'काकर भैरव' या भूमि के स्वामी के रूप में जाना जाता है, खेतों और पशुधन के सुरक्षात्मक देवता माने जाते थे।**

- मध्य प्रदेश में डायनासोर के जीवाश्मों और अंडों की खोज ने **न केवल क्षेत्र के पुरापाषाण इतिहास के वैज्ञानकि ज्ञान को समृद्ध कयिा है, बल्कि पर्यटन तथा शक्षिा के लयि नए रास्ते भी खोले हैं।**
- राज्य सरकार की **इन स्थलों को पर्यटक आकर्षण के रूप में वकिसति करने और राज्य की समृद्ध डायनासोर वरिासत के वषिय में जनता के बीच जागरूकता उत्पन्न करने की योजना है।**

लमेटा शैल समूह

- लमेटा शैल समूह को **'इन्फ्राट्रैपियिन बेड'** के रूप में भी जाना जाता है, एक **भू-वैज्ञानकि संरचना है, जो दक्कन ट्रैप से जुड़े मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पाई जाती है।**
  - 'इंटरट्रैपयिन बेड' भारत में एक **उत्तर क्रेटेशयिस और पूर्व पेलयिोसीन भू-गर्भकि** संरचना है। यह **दक्कन ट्रैप परतों** के बीच इंटरबेड के रूप में पाए जाते हैं, जसिमें अधकि वविधि लमेटा शैल समूह भी शामलि है।

मास्ट्रचियिन युग (उत्तर क्रेटेशयिस)

- मास्ट्रचियिन **ICS भूगर्भकि समय पैमाने** में है, जो उत्तर क्रेटेशयिस युग या ऊपरी क्रेटेशयिस शृंखला, क्रेटेशयिस अवधि या प्रणाली और मेसोज़ोइक युग या एराथेम का नवीनतम युग (ऊपरी चरण) है। इसका अंतराल **72.1 से 66 मलियिन** वर्ष पूर्व तक फैला हुआ था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/on-of-the-largest-dinosaur-hatcheries-in-the-world-uncovered